MPA

एम.ए. (लोक प्रशासन)
एम.पी.ए.

जुलाई 2017 और जनवरी 2018 सत्र के
सत्रीय कार्य
(एम.ए. प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रमों के लिए)

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

एम.ए. प्रथम वर्ष (लोक प्रशासन)

प्रिय छात्र/छात्राओ,

एम.ए. (लोक प्रशासन) कार्यक्रम की आवश्यकता के अनुसार, प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए आपको एक–एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा।

सत्रीय कार्यों को हल करने से पहले कृपया अलग से भेजी गई कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को सावधानी से पढ़ लें। यह महत्वपूर्ण है कि आप टी.एम.ए. के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित की गई शब्द–सीमा के भीतर होने चाहिए। याद रखें, सत्रीय कार्य के प्रश्नों का उत्तर लिखने से आपकी लेखन शैली में सुधार होगा और ये आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेंगे।

सत्रीय कार्यों को अपने अध्ययन केंद्र के संचालक के पास जमा कराएँ। जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केंद्र से रसीद अवश्य प्राप्त कर लें और उसे अपने पास संभाल कर रखें। अगर संभव हो तो सत्रीय कार्यों की एक फोटोप्रति भी अपने पास रखें।

सत्रीय कार्यों को मूल्यांकन के पश्चात अध्ययन केंद्र आपको वापस कर देगा। कृपया इस ओर विशेष ध्यान दें। अध्ययन केंद्र द्वारा अंकों को संबंधित क्षेत्रीय केंद्र को भेजना होता है और बाद में वे उन्हें विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली के पास भेजते हैं।

प्रस्तुतीकरण :

एम.ए. प्रथम वर्ष में उपलब्ध सभी चारों पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य इस पुस्तिका में शामिल हैं। आपसे अनुरोध है कि आप सत्रीय कार्यों को निर्धारित तिथि तक जमा करा दें ताकि आप सत्रांत परीक्षा दे सकें।

सत्रीय कार्यों को पूरा करके निम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार भेजें :

सत्रीय कार्य संख्या	प्रस्तुति की तिथि	किसे भेजें
एम.पी.ए–011, एम.पी.ए–012, एम.पी.ए–013 और एम.पी.ए–014 का सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.)	जुलाई 2017 सत्र के लिए 31 मार्च 2018 जनवरी 2018 सत्र के लिए 30 सितंबर 2018	अपने निर्दिष्ट अध्ययन केंद्र के संचालक को

सत्रीय कार्य करने के निर्देश

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य में दिए गए निर्देशों के अनुसार अपने उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय कृपया निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें:

1) **योजना** : सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक उत्तर के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) **संगठन** : अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर को चुनने और विश्लेषण करने का प्रयास कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और समाहार पर विशेष ध्यान दें।

   उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि :

   क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो
   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध हो; और
   ग) उत्तर आपके भाव, शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही हों।

3) **प्रस्तुतीकरण** : जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ–साफ और अपनी हस्तलिपि में ही लिखें।** जिन बिंदुओं पर आप जोर देना चाहते हों, उन्हें रेखांकित कर दें। यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द–सीमा के भीतर ही हो।

शुभकामनाओं के साथ,

प्रो. ई. वायुनंदन और प्रो. अलका धमेजा
कार्यक्रम संयोजक
एम.ए. (लोक प्रशासन)

एम.पी.ए–011 : राज्य, समाज और लोक प्रशासन
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–011
सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए.-11/ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2017–2018
अंकः 100

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग–I

1. राज्य के गांधीवादी परिप्रेक्ष्य का विवेचन कीजिए। 20

2. वैश्वीकरण के परिप्रेक्ष्य में राज्य की भूमिका की चर्चा कीजिए। 20

3. लोक प्रशासन में सामाजिक समता की अवधारणा और भूमिका का वर्णन कीजिए। 20

4. 'सूचना के अधिकार के माध्यम से सरकारी पारदर्शिता में एक नया आयाम जोड़ा गया है' व्याख्या कीजिए। 20

5. लोक प्रशासन और विकास उत्पन्न करने के दृष्टिकोणों का वर्णन कीजिए। 20

भाग–II

6. नीति कार्यान्वयन में नौकरशाही की भूमिका का उल्लेख कीजिए। 20

7. सूक्ष्म और व्यापक स्तरों पर संघर्ष समाधान पर एक टिप्पणी कीजिए। 20

8. नागरिक समाज के समक्ष विभिन्न चुनौतियों का विवेचन कीजिए। 20

9. सुशासन की विशेषताओं और महत्व की चर्चा कीजिए। 20

10. नैतिक उत्तरदायित्व के मार्ग में बाधाओं का विश्लेषण कीजिए। 20

एम.पी.ए–012 : प्रशासनिक सिद्धांत
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–012
सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए.-12/ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2017–2018
अंक : 100

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग–I

1. लोक प्रशासन के स्वरूप, कार्य–क्षेत्र और महत्व का विवेचन कीजिए। 20

2. औपचारिक और अनौपचारिक संगठनों की विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 20

3. एफ.डब्ल्यू. टेलर के वैज्ञानिक प्रबंधन दृष्टिकोण के आधारभूत सिद्धांतों और सरोकारों की व्याख्या कीजिए। 20

4. नौकरशाही के वेबेरियन प्रतिमान की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 20

5. प्रशासनिक प्रक्रिया में युक्तिमूलक निर्णयन कार्य से आप क्या समझते हैं? 20

भाग–II

6. अब्राहम मैस्लो के 'आवश्यकता सिद्धांत के पदानुक्रम' की विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 20

7. 'विक्टर व्रूम ने अभिप्रेरण के प्रत्याशा सिद्धांत को प्रतिपादित किया' व्याख्या कीजिए। 20

8. संगठनात्मक प्रणाालि के संबंध में चेस्टर बर्नार्ड के विचारों की चर्चा कीजिए। 20

9. अधिगम संगठनों की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। 20

10 क्रियापद्धति व्यक्तिवाद, तार्किकता और राजनीति के आर्थिक विश्लेषण पर एक टिप्पणी लिखिए। 20

एम.पी.ए–013 : सार्वजनिक प्रणाली प्रबंधन
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–013
सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए.-13/ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2017–2018
अंक : 100

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग–I

1. सार्वजनिक प्रणाली प्रबंधन के स्वरूप और कार्य–क्षेत्र का विवेचन कीजिए। 20

2. सार्वजनिक प्रणाली प्रबंधन पर सूचना और संचार प्रौद्योगिकी समर्थ नए प्रयासों के विश्लेषण से संबंधित कुछ केस अध्ययनों का वर्णन कीजिए। 20

3. 'शासन व्यवस्था की अवधारणा कई संदर्भों में प्रयुक्त की गई है' व्याख्या कीजिए। 20

4. शासन व्यवस्था में विधानपालिका की भूमिका की चर्चा कीजिए। 20

5. बजट प्रणाली के महत्वपूर्ण उपागमों पर एक टिप्पणी लिखिए। 20

भाग–II

6. सामरिक प्रबंधन की महत्वपूर्ण विचारधाराओं का वर्णन कीजिए। 20

7. 'परियोजना प्रबंधन के जीवन–चक्र के विभिन्न चरण होते हैं' व्याख्या कीजिए। 20

8. महत्वपूर्ण सामूहिक निर्णय तकनीकों की चर्चा कीजिए। 20

9. उत्तरदायित्व के बदलते परिप्रेक्ष्य का विवेचन कीजिए। 20

10. विकास कार्यनीति में दृष्टिकोण का परिवर्तन और सशक्तीकरण के विचार के उदय का विश्लेषण कीजिए। 20

एम.पी.ए–014 : मानव संसाधन प्रबंधन
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–014
सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए.-14/ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2017–2018
अंक : 100

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग–I

1. मानव संसाधन प्रबंधन को परिभाषित कीजिए और इसकी प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 20

2. मानव संसाधन नियोजन के लाभों और कमियों की चर्चा कीजिए। 20

3. 'कार्य विश्लेषण के आँकड़े कई तरीकों से एकत्रित किए जाते हैं' चर्चा कीजिए। 20

4. 'भर्ती' के प्रमुख चरणों पर प्रकाश डालिए। 20

5. 'प्रशिक्षण' पर एक टिप्पणी लिखिए। 20

भाग–II

6. 'अधिगम और विकास' को परिभाषित कीजिए और अधिगम की प्रक्रिया के प्रमुख तत्वों की चर्चा कीजिए। 20

7. गुणवत्ता को परिभाषित कीजिए और पारंपरिक प्रबंधन का समग्र गुणवत्ता प्रबंधन से अंतर स्पष्ट कीजिए। 20

8. प्रबंधन में कार्यकर्ताओं की भागीदारी के लिए विभिन्न संस्थानिक व्यवस्थाओं की संक्षेप में चर्चा कीजिए। 20

9. 'विवादों का समाधान कई तरीकों से किया जाता है' चर्चा कीजिए। 20

10. मानव संसाधन लेखा–परीक्षण पर एक टिप्पणी लिखिए। 20